# उड़ान

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की उड़ान

घर घर शिक्षा की उड़ान

डिजिटल मीडिया के सहयोग से उच्च शिक्षा की उड़ान

www.uou.ac.in

**अक्टूबर- दिसंबर 2023**

**संपादन मंडल**

संरक्षक : प्रो.ओ.पी.एस.नेगी, कुलपति

संपादक : डॉ. राकेश चन्द्र रयाल

उप संपादक : डॉ. शशांक शुक्ल

तकनीकी सम्पादन : श्री विनीत पौरियाल

आज़ादी का अमृत महोत्सव

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT एक भारत श्रेष्ठ भारत

G20 भारत 2023 INDIA

ACCREDITED WITH GRADE B++ NAAC



उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की त्रैमासिक गृह पत्रिका।

# कुलपति की कलम से

प्रिय पाठकों,

किसी भी संस्थान की गृह पत्रिका उस संस्थान की प्रतिमूर्ति होती है। जिसमें उस संस्थान की गतिविधियां, उपलब्धियां व आवश्यक जानकारियां प्रकाशित होती हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की गृह पत्रिका 'उड़ान' के नए अंक के साथ विश्वविद्यालय की सक्रिय एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली आप सभी के समक्ष प्रस्तुत की जा रही है। आज विश्वविद्यालय में शिक्षार्थियों की संख्या हजारों में है। वर्ष 2022-23 विश्वविद्यालय के लिए कई उपलब्धियों से भरा रहा है। एक तरफ जहां विश्वविद्यालय में ढांचागत रूप से विकास हुआ, वहीं विश्वविद्यालय ने कई संस्थाओं के साथ समझौते (एमओयू) भी किए हैं। विश्वविद्यालय अकादमिक/शोध व नवाचार के साथ-साथ अपने सामाजिक सरोकारों को निभाने में भी तत्पर रहा है। इस अवधि में ऑनलाइन- ऑफलाइन राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, कार्यशालायें तथा अन्य कार्य सुचारू रूप से सम्पादित किए गए। इसके अलावा समाज से जुडे कई सामाजिक कार्यो, संगोष्ठियों व सम्मान समारोहों का भी आयोजन किया गया।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय इस समय अपनी प्रगति यात्रा के 19 वें वर्ष में चल रहा है। मुझे आप सब को यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि विश्वविद्यालय के स्थापना-काल से लेकर अब तक की हमारी यात्रा उपलब्धियों से भरी रही है। पिछले वर्ष ही उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त हुआ था। विश्वविद्यालय को प्रथम प्रयास में ही राष्ट्रीय मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा B++ ग्रेड प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय के कुछ शिक्षकों का चयन राज्य के श्रेष्ठ शिक्षकों में हुआ। इस उपलब्धि का कारण यह है कि हम अपने कार्य, लक्ष्य तथा उद्देश्य के प्रति एकाग्र रहे हैं तथा हमने शिक्षा, शिक्षण एवं छात्र की केन्द्रीयता स्थापित की है। तकनीकी कुशलता और गुणवत्तापरक मानवीय संसाधनों में भी हम सबसे आगे रहे हैं। साइबर स्क्योरिटी (cyber security) में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित ऑनलाइन कोर्स ने विश्वविद्यालय को ग्लोवल स्तर पर पहचान दिलाई है, जिसने माननीय प्रधानमंत्री जी के 'लोकल टू ग्लोबल' वाली सोच को साकार करने का कार्य किया है। आज विश्वविद्यालय 14 विद्याशाखाओं के भीतर 89 पाठ्यक्रमों का संचालन कर रहा है। इन पाठ्क्रमों में जहाँ बी.ए., बीएससी, बी.कॉम. जैसे परंपरागत पाठ्यक्रम हैं, वहीं दूसरी ओर प्रबंध अध्ययन, पर्यटन, समाज कार्य, आपदा प्रबंधन, जियोग्रॉफिकल इन्फार्मेशन सिस्टम जैसे व्यावसायिक एवं रोजगारपरक डिप्लोमा आदि पाठ्यक्रम भी चल रहें हैं। हम एक व्यापक शैक्षिक दृष्टि के साथ चल रहे हैं। हमारा उद्देश्य है, शिक्षार्थी केन्द्रित ( Learner Centric ) शिक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाना। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पाठ्यक्रमों को नयी शिक्षा नीति के अनुरूप विकसित कर उसे लागू किया है। शिक्षार्थियों की सुविधानुसार हमने अपने पाठ्यक्रमों का निर्माण किया है। 'एबीसी' (**Academic Bank of Credits) नामांकन में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्याल राज्य के अन्य विश्वविद्यालयों में अग्रणीय है।** विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' को हमने स्थानीय समुदाय की आवाज के रूप में विकसित किया है। विश्वविद्यालय का प्रयास रहा है कि कम्युनिटी रेडियो क्षेत्र के जनता की आवाज बने। इस प्रकार हैलो हल्द्वानी नामक सामुदायिक केंद्र ने विश्वविद्यालय की भूमिका को वृहत्तर सामाजिक परिप्रेक्ष्य दिया है। मै चाहता हूं कि इसी तरह यह 'उडान' पत्रिका भी विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय से जुड़े सभी शिक्षार्थियों व जनमानस के बीच सामंजस्य स्थापित करें और विश्वविद्यालय की साख व प्रतिष्ठा को बनाने में अपनी भूमिका का समुचित निर्वहन करें।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति और प्रेरणा के स्रोत के रूप में अपने शिक्षार्थियों और सहयोगियों की आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करता रहा है तथा निरंतर करता रहेगा । मैं 'उड़ान' के नवीन अंक का स्वागत करता हूँ तथा विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

जय उत्तराखण्ड, जय भारत।

**(प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी)**

**कुलपति**

# सम्पादकीय

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की जब भी बात होती है वहां किसी भी संचार- जनसंचार व मीडिया साधन की उपयोगिता, महत्व व भूमिका अपने आप मुखर हो जाती है। चाहे वह शिक्षार्थियों तक अध्ययन सामग्री पहुंचाने का काम हो, उनसे जुड़ी कोई आवश्यक सूचना पहुंचाने का कार्य हो या संबंधित जनमानस से संवाद स्थापित करने का कार्य, हर किसी कार्य में संचार प्रक्रिया और संवाद प्रक्रिया का महत्व बढ़ जाता है। विश्वविद्यालय की पत्रिका 'उड़ान' विश्वविद्यालय में आंतरिक व बाह्य संवाद/ संचार का एक महत्वपूर्ण मुद्रण साधन बन सकता है।

इंटरनेट, कम्प्यूटर और मोबाइल की दुनिया, यानि डिजिटल दुनिया। इस युग में सशक्त जीवन जीने से तात्पर्य है, डिजिटल के माध्यम से जीवन को सशक्त बनाना, अग्रणीय बनाना। आज हर व्यक्ति कम्प्यूटर, मोबाइल और इंटरनेट के जाल में बंध सा गया है। मीडिया का वर्तमान स्वरूप कम्प्यूटर, मोबाइल और इंटरनेट के क्षेत्र में हुये क्रान्तिकारी विकास का ही स्वरूप है। कम्प्यूटर और इंटरनेट के सहयोग से मीडिया, साइबर मीडिया के रूप में अस्तित्व में आया। फिर न्यू मीडिया और अब सोशल मीडिया के रूप में कई सोशल साइटस ने समाज में क्रांतिकारी संचार साधनों के रूप में अपना स्थान बना लिया है। समाज में, दुनिया में जिस आयाम का, विषय का इतना महत्व हो, उसके बारे में उसके सकारात्मक उपयोग और महत्व पर चर्चा करना अपने आप में बहुत बड़ी बात हो जाती है। जब शिक्षा की बात होती है, प्रत्येक वंचित को शिक्षा पहुंचाने की बात होती है। डिजिटल युग में शिक्षा के प्रचार की बात होती है तो मुक्त एवं दूरस्थ व ऑनलाइन शिक्षा में संचार तकनीकी व संचार - जनसंचार साधनों का अधिकतम उपयोग पर चर्चा करना आवश्यक हो जाता है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय राज्य का दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान कराने वाला एक मात्र उच्च शिक्षण संस्थान है, जो देश के राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय 'इग्नू' और देश के अन्य राज्य मुक्त विश्वविद्यालयों में से एक है। सूचना एवं तकनीकी क्रांति के युग में **'उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय और आई सी टी एवं मीडिया'** के परिप्रेक्ष्य में बात करें तो विश्ववविद्यालय इंटरनेट -सूचना प्रौद्योगिकी का भरपूर उपयोग कर रहा है। प्रवेश प्रक्रिया से लेकर उपाधि प्राप्ति तक की प्रक्रिया हो या सत्रीय कार्य सम्पादन से लेकर एनओसी, प्रोविजन प्रमाण पत्र प्राप्त करने का कार्य हो। या फिर ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने की बात हो। ये सभी ऑनलाइन और आईसीटी के सहयोग से सम्पादित किए जा रहे हैं। डिजिटल युग, ग्लोवल युग, मीडिया युग में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय जनसंचार, सोशल मीडिया के सहयोग से 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' अपने ध्येय वाक्य को धरातल पर लाने का प्रयास कर रहा है।

विश्वविद्यालय राज्य के सुगम से दुर्गम क्षेत्रों तक उच्च शिक्षा पहुंचाने में डिजिटल मीडिया का सार्थक उपयोग कर रहा है। विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो 'हैलो हल्द्वानी ९१.२ एफएम' को संचालित करता है। सामुदायिक रेडियो की परिभाषा – 'समुदाय का, समुदाय द्वारा, समुदाय के लिए" को परिलक्षित करते हुए विश्वविद्यालय समुदाय के हितों के लिए तो कार्य कर ही रहा है, साथ ही अपने शिक्षार्थियों के लिए भी उनके पाठ्यक्रम के अनुसार अपने शिक्षकों द्वारा व्याख्यान रिकॉर्ड करके ऑन एयर व ऐप द्वारा उन तक पहुंचाता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित रेडियो 'हैलो हल्द्वानी' का यूट्यूब चैनल भी है, जिनके माध्यम से शिक्षार्थियों के लिए विडियो व ऑडियो के रूप में व्याख्यान प्रसारित किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय में संचालित लगभग सभी कार्यक्रमों की अध्ययन सामग्री पीडीएफ में, वीडिया-ऑडियो के रूप में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी मौजूद है। ईएमपीसी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेल) के माध्यम से कार्यक्रमों के व्याख्यान विडियो के रूप में तैयार करके विश्वविद्याल की वेबसाइट पर अपलोड किए जाते हैं। इसके अलावा स्वयं (SWAYAM) पोर्टल पर 150, स्वयमप्रभा (swayamprabha) डीटीएच पोर्टल पर 70 वीडियो अपलोड हैं। मूक Massive Open Online Course (MOOC) के तहत विश्वविद्यालय में 5 कोर्स संचालित हो रहे हैं।

मीडिया व डिजिटल युग में मीडिया और सूचना तकनिकी के प्रभावी उपयोग को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय में ईएमपीसी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रोडक्शन सेल) से भिन्न एक 'मीडिया प्रोडक्शन एंड ब्रॉडकास्ट डिविजन' की स्थापना करना उपयोगी सिद्ध होगा। इसके तहत प्रिंट मीडिया के अंतर्गत 'उडान' इलैक्ट्रॉनिक मीडिया के तहत इग्नू द्वारा संचालित 'ज्ञानदर्शन' की तर्ज पर टीवी माध्यम स्थापित करना उपयोगी होगा। रेडियो के रूप में 'हैलो हल्द्वानी' पहले से ही संचालित किया जा रहा है। सोशल मीडिया के रूप में विश्वविद्याल का यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेज, प्रत्येक विभाग के ब्लॉग आदि मीडिया के साधनों का संचालन इस डिवीजन के तहत किया जा सकता है, जिससे विश्वविद्यालय की पहुंच बढेगी। साथ ही विश्वविद्याल में विभिन्न विषयों में अध्ययनरत शिक्षार्थियों को भी प्रशिक्षण के लिए एक उपयुक्त मंच मिलेगा। इस तरह डिजिटल युग में अपने शिक्षार्थियों तक अध्ययन सामग्री पहुंचाने के साथ-साथ हम 'लोकल टू ग्लोबल' वाली अवधारणा को धरातल पर लाने में भी सफल सिद्ध होंगे।

# आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र(सीका)

**आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA)** विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के गुणवत्ता सुधार के लिए मानक तथा मापदंडों का विकास करता है और उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए रूपरेखा बनता है| तथा विभिन्न स्कूलों/विभागों/इकाइयों/केंद्रों और छात्रों, नियोक्ताओं और हितधारकों से समय -समय पर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों को बेहतर बनाने हेतु प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए तंत्र तैयार करता हैं। विश्वविद्यालय में उच्च गुणवत्ता मानकों के अनरूप शैक्षणिक वातावरण बनाने और उच्च शिक्षा के शीर्ष/नियामक निकायों द्वारा निर्धारित मानदंडों और दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सीका विश्वविद्यालय की आंतरिक क्षमता में सुधार के लिए समय -समय पर संकाय और कर्मचारियों में रचनात्मकता और नवाचार विकसित करने के लिए कार्यशालाएं तथा सेमिनार आयोजित करता है।

**CIQA और प्लेसमेंट सेल द्वारा ६ जून, २०२३, आयोजित कार्यशाला**

CIQA और प्लेसमेंट सेल द्वारा ६ जून, २०२३ को संयुक्त रूप से "नौकरी की तलाश करने वाले शिक्षार्थियों में रोजगार योग्यता कौशल"( Employability Skills in Job Seeking Learners ) शीर्षक पर कार्यशाला का आयोजन किया गया |

CIQA द्वारा संकाय की क्षमता निर्माण के लिए : "Capacity Building Workshop on CO-PO Mapping and Attainment"विषय पर पांच दिवसीय FDP कार्यक्रम ०४/१०/२०२३ से ११/१०/२०२३ तक आयोजित किया गया | इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के १४३ शिक्षकों ने ऑनलाइन तथा ऑफ़लाइन प्रतिभाग किया | पांच दिवसीय एफडीपी कार्यशाला का उद्घाटन ०४ अक्टूबर, २०२३ को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. ओ. पी. एस. नेगी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र की निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे द्वारा मुख्य अतिथि और माननीय कुलपति जी का स्वागत करते हुए की गई।

Capacity Building Workshop on CO-PO Mapping and Attainment

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन केंद्र (CIQA), प्रति वर्ष UGC-DEB में विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों की वार्षिक आख्या (Annual report) प्रस्तुत की जाती है, वर्ष २०२२-२३ की वार्षिक आख्या (annual report) माह अगस्त में UGC-DEB की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गयी है | CIQA, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC), विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता व मूलभूत सुविधाओं की जाँच के लिए के प्रति वर्ष वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट(AQAR) तैयार करता है | वर्ष २०२२-२३ की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट(AQAR) तैयार की जा चुकी है| कार्य परिषद के अनुमोदन के उपरांत राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) में जमा करने का कार्य अंतिम चरण में है| आगामी वर्ष २०२३-२४ के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनायीं है, जिसमे विश्वविद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के अनेक कार्यक्रमों का समावेश किया गया है|

# 'हैलो हल्द्वानी' पर 'मानस खंड' यात्रा वृतांत रहा लोकप्रिय

'हैलो हल्द्वानी' उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का सामुदायिक रेडियो केन्द्र है जो कि ९१.२ एफएम पर हल्द्वानी समेत पूरे उत्तराखंड में सुना जाता है। इस रेडियो का प्रसारण उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर हल्द्वानी से होता है जो कि हल्द्वानी शहर के १० से १२ किलोमीटर की परिधि में सुना जाता है। साथ ही यू ट्यूब व सोशल मीडिया के जरिये इसके महत्वपूर्ण व लोकप्रिय कार्यक्रम राज्य भर के लोगों के द्वारा सुने जाते हैं। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में दूर -दराज पहाड़ों के साथ ही देश भर के शिक्षार्थी दूरस्थ माध्यम से पढ़ते हैं। लिहाजा विवि के अकादमिक स्टाफ के द्वारा शिक्षार्थियों को रेडियो के जरिये भी विषय संबंधी व्याख्यान दिये जाते हैं। सामुदायिक रेडियो की जिम्मेदारी हल्द्वानी में रहने वाले विभिन्न समुदायों को आवाज देने, उन्हें सूचित व शिक्षित करने के साथ ही उन्हें मंच देने की भी है, जिससे वह अपनी कला, शिल्प, संस्कृति, बोली-भाषा में अपनी ज्ञान परंपराओं को न केवल संरक्षित कर पाएं, बल्कि नयी पीढ़ी तक प्रसारित भी कर पाएं। इसी को ध्यान में रखते हुए रेडियो में ६० फीसदी कार्यक्रम समुदाय के लिए तथा ४० फीसदी कार्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए उनसे संबंधित विषयों के व्याख्यान प्रसारित किए जाते हैं।

वर्ष २०२३ में भी रेडियो ने विभिन्न मुद्दों पर कई कार्यक्रमों का निर्माण किया। जिनमें बहुत लोकप्रिय कार्यक्रम के तौर पर राज्य के राज्यपाल महामहिम लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) जी का 'मानस खंड यात्रा वृतांत' रेडियो के श्रोताओं के लिए न केवल रोचक व ज्ञानवर्द्धक रहा अपितु यह कार्यक्रम काफी लोकप्रिय रहा और इसे काफी लोगों के द्वारा सराहा भी गया। राज्य भर के दिव्यांगों की आवाज भी रेडियो बना। समाजसेवी व कवि नरेन्द्र दत्त रयाल, शिक्षा में नवाचार करने वाले अर्थशास्त्र के शिक्षक प्रदीप नेगी, पैरा बेडमिंटन खिलाड़ी निर्मला मेहता व नीलिमा राय जैसे लोगों से 'मिसाल-बेमिसाल कार्यक्रम' के तहत बात की गई। सेहत को लेकर लगातार साल भर अलग-अलग चिकित्सा विशेषज्ञों (डाक्टर्स) के साथ बातचीत पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम किये गए, जिसमें डेंगू व मलेरिया पर, आई फ्लू, हड्डियों से जुड़ी बीमारियों पर, कैंसर पर, ब्रेन व पेट से जुड़ी वार्ताएं प्रमुख रही। राज्य के उभरते युवा कवि, लेखक व फिल्म निर्देशकों को भी रेडियो के जरिये मंच दिया गया। 'कुछ कहती हैं किताबें' कार्यक्रम के जरिये साल भर प्रकाशित कवि, लेखकों की किताबों पर भी चर्चाएं की गई। हल्द्वानी शहर की स्वच्छता को लेकर नगर स्वास्थ्य अधिकारी, ट्रैफिक को लेकर व शहर में नशे के प्रति युवाओं को जागरूक करने के लिए पुलिस के साथ भी मिलकर कार्य किया गया। विभिन्न उद्यमों से जुड़ी महिलाओं को भी मंच दिया गया तो वहीं मासिक धर्म से जुड़ी भ्रातियों को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। पहाड़ में चाल-खाल को लेकर काम कर रहे चंदन नयाल जैसे पर्यावरण कर्मियों को भी नियमित स्थान दिया गया तो वहीं 'उत्तराखंड परिक्रमा' कार्यक्रम के जरिये उत्तराखंड में वनों में लगने वाली आग पर व यहां की पंचायतों पर मानव एवं वन्य जीव संघर्षों पर बेहतरीन वार्ताएं प्रसारित की गई। 'मोटा अनाज वर्ष' पर भी कई वार्ताएं आयोजित की गई। इसके अलावा

विश्वविद्यालय में समय-समय पर होने वाले सेमिनार व गोष्ठियों की रेडियो रिपोर्ट भी शिक्षार्थियों व श्रोताओं तक पहुंचाई गयी। यह साल राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अमल में लाने का साल था। लिहाजा उसकी तैयारियों पर व स्टूडेंट्स की शंकाओं पर भी बेहतरीन वार्ताएं विवि के प्राध्यापकों के द्वारा की गई। स्कूली बच्चों के साथ भी रेडियो ने 'रेडियो क्लबों' के जरिये काम किया। उनके लिए 'कहें कविता सुने कहानी' नाम की श्रृंखला भी नवाचारी शिक्षिका दीक्षा जोशी के साथ शुरु की गई। साथ ही स्कूलों में जाकर बच्चों को रेडियो में बोलने के कौशलों पर भी प्रशिक्षण दिया गया।

# विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में यूओयू के बढ़ते कदम

- विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगजनों के पुनर्वास हेतु शोध प्रविधि' विषय पर हुई पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।
- कार्यशाला में माननीय राज्यपाल/ कुलाधिपति, माननीय मंत्री व माननीय कुलपति हुए शामिल।
- एल्कोहल और ड्रग्स के दुरुपयोग से रोकथाम पर हुई कार्यशाला।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विशेष शिक्षा एवं दिव्यांगजनों के पुनर्वास हेतु शोध प्रविधि विषय पर आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ दिनांक 25 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय दृष्टि बधितार्थ संस्थान, देहरादून के सभागार में उत्तराखंड राज्य के राज्यपाल महामहिम लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) श्री गुरमीत सिंह जी व विशेष अतिथि के रुप में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत जी द्वारा किया गया।

- राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन ०१ मार्च को राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान देहरादून किया गया| समापन सत्र के मुख्य अतिथि समाज कल्याण एवं परिवहन मंत्री स्व० चंदन राम दास जी, विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के पूर्व सलाहकार व प्रति कुलपति डॉ राजेश नैथानी व उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह नेगी की अध्यक्षता में किया गया|

आज़ादी का अमृत महोत्सव

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत

G20
भारत 2023 INDIA

ACCREDITED WITH GRADE
B++
NAAC

# यूओयू में दिव्यांग गौरव सम्मान का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा विश्व दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में आज दिव्यांग गौरव सम्मान समारोह व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक डॉ मोहन सिंह बिष्ट, विशिष्ट अतिथि निवर्तमान मेयर डॉ जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला व कार्यक्रम के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओम प्रकाश सिंह नेगी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में खेल, सामाजिक व विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया। इनमें अर्जुन अवॉर्ड विजेता रुद्रपुर निवासी मनोज सरकार, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित श्री प्रदीप नेगी, बैडमिंटन की राष्ट्रीय पैरा ओलंपिक विजेता सुश्री नीरज गोयल, दृष्टि बाधित लोककवि नरेंद्र रयाल, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में कार्यरत दिव्यांग कार्मिक श्री दिनेश पाल सिंह ज्याडा को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि व कार्यक्रम अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया।

दिव्यांगजनों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि व स्थानीय विधायक डॉ मोहन सिंह बिष्ट जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि दिव्यांगजन दया के पात्र नहीं हैं, बल्कि अब वह एक रोल मॉडल के रूप में समाज के लिए अपनी अहम भूमिका का निर्माण कर रहे हैं। आज सम्मानित होने वाले दिव्यांगजन जिन्होंने अपने क्षेत्र में विशेष उल्लेखनीय कार्य किए हैं वह वास्तव में हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। हम सभी को उनके जीवन और कर्मठता से सीख लेनी चाहिए । विश्वविद्यालय को इस प्रकार के आयोजन के लिए डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी और अपेक्षा कि विश्वविद्यालय दिव्यांगजनों के हित में सदैव कार्यकरता रहेगा। विशिष्ट अतिथि निवर्तमान मेयर डॉ जोगेंद्र रौतेला द्वारा अपने उद्बोधन में दिव्यांग जनों के लिए प्रारंभिक स्तर पर ही दिव्यांगता के लिए जोर देने की बात कही। साथ ही उन्होंने इसके लिए सामाजिक व शैक्षिक संस्थानों द्वारा आगे आने की बात कही। विश्वविद्यालय को इस प्रकार के आयोजन की बधाई देते हुए उन्होंने विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि वह इस तरह के कार्यक्रम हर माह करता रहे तो समाज जागरूक रहेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी ने अपना उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय विशिष्ट शिक्षा में बीएड पाठ्यक्रम का संचालन वर्ष 2015 से कर रहा था। वर्ष 2015 के विद्यार्थियों को तकनीकी समस्या के कारण अपने विशेष शिक्षक के रूप में भारतीय पुनर्वास परिषद में नामांकित न होने में तकनीकी समस्या का निराकरण विश्वविद्यालय द्वारा कर दिया गया है। विश्वविद्यालय वर्ष 2019 से अब तक कुल पांच बैचों का संचालन किया गया है, जिसमें से दो बैच उनके कुलपति कार्यकाल में उत्तीर्ण होकर विशेष शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं समाज में दे रहे हैं। विश्वविद्यालय के द्वारा पुनर्वास पेशेवरों के रूप में लगभग 700 विद्यार्थियों द्वारा विशेष शिक्षक के लिए बीएड स्पेशल एजुकेशन कोर्स को करवाया गया। विश्वविद्यालय द्वारा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से इतने बड़े स्तर पर विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना, अपने आप में गर्व की बात थी। इसी कारण भारत सरकार द्वारा गत वर्ष महामहिम राष्ट्रपति महोदया श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु पुनर्वास पेशेवरों के विकास में संलग्न सर्वश्रेष्ठ संस्थान के रूप में विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षाशास्त्र विभाग के निदेशक प्रो ए के नवीन द्वारा दिव्यांगजनों के अधिकार के बारे में विशेष जानकारी देते हुए रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पुनर्वास व बेरोजगारी भत्ता के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन विशेष शिक्षा विभाग के समन्वयक डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव प्रोफेसर पी डी पंत द्वारा सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया गया। इससे पूर्व शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डिगर सिंह फस्वार्न द्वारा सभी आमंत्रित अतिथियों एवं दिव्यांगजनों का परिचय व स्वागत भाषण दिया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की वित्त नियंत्रक श्रीमती आभा गर्खाल, निदेशक प्रोफेसर रेनू प्रकाश, डॉ ममता कुमारी, देवकी सिरोला, श्री मती भावना धोनी, डॉ दिनेश कांडपाल, श्री तरुण नेगी, श्रीमती सुमन पिलख्वाल, श्रीमती प्रियंका सिंह, श्रीमती रश्मि सक्सेना समेत विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी गण उपस्थित रहे।

# वैलनेस व हैप्पीनैस और भारतीय संस्कृति पर संगोष्ठी

भारतीय संस्कृति का स्वरूप हमेशा से ही सामूहिक रहा है। समूह में व्यक्ति एक दूसरे की मदद करता है। अपने दु:ख-सुख व विचार साझा करता रहा है, जिससे वह कभी अकेलेपन व डिप्रेशन का शिकार नहीं हुआ। वैलनेस व हैप्पीनैस हमेशा से ही हमारी संस्कृति में रची बसी रही है ये कहना था भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसांधान परिषद (आईसीएसएसआर) के नार्थ रीजन के डायरेक्टर प्रो.जी.एस. सौन का मौका था। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान विद्याशाखा के द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रो. सौन ने यह बात कही।

२७ अक्टूबर, २०२३ को आयोजित एक दिवसीय सगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए प्रो. सौन ने कहा कि हमें हर हाल में किन्हीं भी परिस्थिति में, उनका सामना करना आना चाहिए । भावनात्मक प्रसन्नता को उन्होंने सभी अच्छाइयों का आधारभूत तत्व बताया। भारतीय व पश्चिमी परिप्रेक्ष्य में उन्होंने हैप्पीनेस व लोक कल्याण पर बात रखी। सेमिनार के मुख्य वक्ता सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के सेवानिवृत प्रो. मोहम्मद गुफरान ने कहा कि हैप्पीनैस के मानकों में फिनलैंड पहले पायदान पर है और भारत 126 वें। हमें पुनर्रावलोकल करने की जरूरत है कि हम अपने नागरिकों को प्रसन्न रखने में कहां पिछड़ रहे हैं। किन किन मानकों पर हमें काम करना है ? उन्होंने विस्तार से बताया कि हमारे भीतर के नकारात्मक विचार ही हमें बीमारी की तरफ ले जाते हैं। लिहाजा हमें बहुत सकारात्मक व उदार होना चाहिए। सेमिनार के पहले सत्र की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.पी.एस. नेगी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा अच्छाईयों व परोपकार से भरी हुई हैं। आज हमें उसी जीवन शैली की तरफ जाने की जरूरत है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य पर विवि द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स शुरु किये जाने की जरूरत बताई और कहा कि ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए समाज विज्ञान विद्यापीठ के द्वारा इस तरह के सेमिनार लगातार कराए जाने चाहिए। उद्घाटन भाषण देते हुए समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे ने कहा कि 5 वीं शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर आज तक सभ्यताओं का जो भी विकास हुआ है, उसके मूल में समग्र समाज को विचारशील बनाना व प्रसन्न रखना ही रहा है। उन्होंने कहा कि हर देश की गर्वनेंस की ये जिम्मेदारी है कि वह आम नागरिक के चिंतन से नकारात्मक वृतियों को दूर करे। कार्यक्रम की संयोजक मनोविज्ञान में असिसटेंट प्रोफेसर डा. भाग्यश्री ने कहा कि आज हैप्पीनैस व कल्याण की बात होना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन विनीता पंत ने किया।

सेमिनार के दूसरा सत्र में देश भर से आए प्रतिभागियों ने अपने विषय संबंधी रिसर्च पेपर प्रस्तुत किये। देश भर की संस्थाओं, महाविद्यालयों से लगभग 56 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन व ऑफलाइन रूप में अपने रिसर्च पेपर प्रस्तुत किये, जिसमें, चेन्नई, आंध्र प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड के रिसर्च स्कॉलर व असिसटेंट प्रोफेसर ने भागीदारी की। सेमिनार के समापन सत्र में उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. चन्द्र दत्त सूंठा ने नोबा हरारी की किताबों का जिक्र करते हुए कहा कि आज हैप्पीनैस व कल्याणकारी योजनाओं की बहुत जरूरत है। मुख्य वक्ता प्रो. प्रवीण कुमार बिष्ट ने भी भारतीय परंपराओं में लोक कल्याण के भाव को निहित बताया। सेमिनार में देहरादून के डोईवाला महाविद्यालय में मनोविज्ञान में प्रोफेसर वल्लरी कुकरेती ने प्रतिभागियों से विस्तार में बहुत सी बातें साझा की। एमबीपीजी कॉलेज में मनोविज्ञान की प्रोफेसर रेखा जोशी ने भी अपना वक्तव्य दिया। इसके अलावा सेमिनार में एसएसजे अल्मोड़ा विवि के मनोविज्ञान विभाग में प्रो. मधुलता नयाल समेत उत्तराखंड मुक्त विवि के सभी विद्याशाखाओं के निदेशक व सहायक प्राध्यापक मौजूद रहे। सेमिनार के समापन सत्र का संचालन आरुषि ध्यानी ने किया।

संगोष्ठी में बोलते मुख्य अतिथि, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसांधान परिषद (आईसीएसएसआर) के नार्थ रीजन के डायरेक्टर प्रो. प्रो.जी.एस. सौन

# 'मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग द्वारा "मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में मीडिया की भूमिका" विषय पर २२ नवम्बर, २०२३ को एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यूसीएफ सदन के सभागार में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल श्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि शिक्षा के प्रति लोगों में अभिरूचि जागृत हो चुकी है। नवाचार और तकनीक की मदद से शिक्षा क्षेत्र में नए आयाम शामिल हुए हैं। इससे मीडिया माध्यमों के जरिए मुक्त विश्वविद्यालय प्रभावी सामग्री विद्यार्थियों के साथ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा सकता है। कार्यक्रम के मुक्त वक्ता आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख श्री सुनील आम्बेकर ने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत पूरा प्रयास किया गया है कि हर शिक्षार्थी को शिक्षा का पूरा लाभ मिले। साथ ही मीडिया के सभी टूल्स का प्रयोग कर अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की बात कही। साथ ही सभी भाषाओं में अध्ययन सामग्री की उपलब्धता पर जोर दिया। उन्होने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में नये प्रयोगों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि विश्वविद्यालय की पहुंच सुदूर शिक्षार्थी तक हो रही है। हम सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं, जिससे कि सरलता से हर व्यक्ति तक पहुंच हो सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ज्ञान गंगा नाम से चैनल बनाने की और अग्रसर है, भविष्य में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

दिव्यांगजनों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रेस परिषद नई दिल्ली के सदस्य एवं पूर्व निदेशक बी0एच0यू0 प्रो0 बी0आर0 गुप्त ने मीडिया की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मीडिया का रोल हर क्षेत्र में अहम रहा है। मालवीय पत्रकारिता संस्थान के प्रो. ओपी सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में मीडिया के जरिए सामग्री पहुंचाने के लिए मीडिया टूल्स के साथ ही तकनीक भी जरूरी है। दून विश्वविद्यालय के प्रो. राजेश कुमार ने मूक कोर्स तैयार करने की बात कही। साथ ही मुक्त विश्वविद्यालय में संचालित वैल्यू एडेड कोर्सो का लाभ अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए समन्वय स्थापित करने को कहा। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो0 पी0डी0 पंत ने आगन्तुक सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 राकेश रयाल ने किया। संगोष्ठी में संघ के प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र, राज्य मंत्री रमेश गड़िया, कुलसचिव प्रो. पीडी पंत, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार, प्रो. एके नवीन, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. डिगर सिंह फर्स्वाण, बृजेश बनकोटी, डॉ. सुभाष रमोला, डॉ. भावना डोभाल, नरेन्द्र जगूड़ी, अनिल कंडारी, गोविंद रावत, राजेन्द्र क्वीरा आदि मौजूद रहे।

## संगीत और कला दीर्घा

ऑस्ट्रेलिया से भारत आए श्री किशोर रियान का संगीत कार्यक्रम विश्वविद्यालय में १ मार्च, २०२३ को आयोजित किया गया| किशोर रियान ध्रुपद गायन की शिक्षा युगल ध्रुपद गायक आस्था-प्रदीप चोपड़ा पद्मश्री गुंदेचा बंधुओं से ऑनलाइन प्राप्त कर रहे है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग द्वारा दिनांक 1 मार्च 2023 को इस संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें वर्चुअल माध्यम से भारतीय शास्त्रीय संगीत की ध्रुपद गायन शैली की शिक्षा ग्रहण कर रहे आस्ट्रेलिया के किशोर रेयान ने अपनी प्रस्तुति दी। पखावज पर पंडित रमेश चंद्र जोशी ने संगत की। किशोर रियान आस्था - प्रदीप चोपड़ा जो पद्मश्री गुंदेचा बंधुओं के शिष्य हैं, से तालीम लेने ऑस्ट्रेलिया से भारत आए हैं। कार्यक्रम में प्रोफेसर आरसी मिश्रा, प्रोफेसर गिरजा शंकर पांडे, प्रोफेसर विजय कृष्ण, वित्त नियंत्रक, कुलसचिव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संगीत विभाग के शिक्षक श्री द्विजेश उपाध्याय, श्री प्रदीप कुमार, श्री जगमोहन परगांई , श्री प्रकाश चंद्र आर्य, श्री अशोक चंद्र टम्टा, आदि उपस्थित थे।

# भारतीय भाषा उत्सव का हुआ आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी द्वारा 11 दिसंबर 2023 को भारतीय भाषा उत्सव -2023 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी माननीय कुलपति, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के संरक्षण में संपन्न हुआ। भाषा उत्सव के इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकेश नवानी (संस्थापक धाद संस्था भाषाविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता) थे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर गोपाल जी प्रधान (हिंदी विभाग डॉक्टर अंबेडकर विश्वविद्यालय नई दिल्ली) रहे विशिष्ट वक्ताके रूप में प्रोफेसर प्रभा पंत (एमबीपीजी कॉलेज हल्द्वानी), विशिष्ट वक्ता डॉक्टर अमिता प्रकाश (राजकीय स्नातकोत्तर कॉलेज सोमेश्वर) , विशिष्ट वक्ता श्रीमती आभा गर्खाल ( वित्त नियंत्रक उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी) सम्मिलित रहीं। कार्यक्रम का आरंभ कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर रेनू प्रकाश (निदेशक मानविकी विद्या शाखा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी) के स्वागत भाषण से हुआ। विषय प्रवेश कार्यक्रम के संयोजक डॉ शशांक शुक्ला द्वारा किया गया। डॉ शुक्ल ने विस्तृत रूप में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने भारतीय भाषा उत्सव के बारे में सविस्तार चर्चा की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गोपाल जी प्रधान ने भाषा के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं में पर्याप्त भिन्नता पाई जाती है किन्तु भिन्नता होते हुए भी भारतीय भाषाओं में एक अतसंबंध है। भाषा में सहकारिता का गुण होता है, जो उसे सार्थक रूप देता है। विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर प्रभा पंत ने कुमाऊनी और गढ़वाली के विभिन्न कवियों की रचनाओं का कुमाऊनी भाषा में वाचन किया। विशिष्ट वक्ता अमिता प्रकाश ने गढ़वाली भाषा के उद्भव और विकास के बारे में अपने विचार रखें। विशिष्ट वक्ता श्रीमती आभा गखाल ने रंग भाषा के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए लोक भाषाओं के संवर्धन पर जोर दिया। मुख्य अतिथि श्री लोकेश नवानी जी ने कहा कि यदि भाषा बची रहेगी तो समाज बचा रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो गिरिजा प्रसाद पाण्डेय ने की। कार्यक्रम में निबंध और कविता प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया I निबंध प्रतियोगिता में सांत्वना पुरस्कार शबाना जी, तृतीय पुरस्कार इमरान अली, द्वितीय पुरस्कार मुबारक रजा जी और प्रथम पुरस्कार करीना जैनम को प्राप्त हुआ. कविता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मुबारक रजा , द्वितीय पुरस्कार इमरान और तृतीय पुरस्कार शबाना जी को प्राप्त हुआ. अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर गिरिजा पांडे ने कहा कि भाषा उत्सव में संपूर्ण संस्कृति की बात करनी चाहिए। धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय प्रोफेसर पी डी पंत द्वारा दिया गया। मंच संचालन डॉ नागेंद्र सिंह

गंगोला द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में डॉ राजेंद्र सिंह, कुमार मंगलम, अनिल कार्की, डॉ पुष्पा,डॉ द्विजेश,डॉ शैलजा, रेनू भट्ट,शहपर शरीफ, शाने अली, अफजल हुसैन, गुलाम जिलानी, डॉ नीरज तिवारी, डॉ राहुल पंत तथा समस्त निदेशक गण शिक्षक एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। वैचारिक सत्र के उपरांत संगीत संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संगीत संध्या कार्यक्रम का संयोजन श्री द्विजेश उपाध्याय जी द्वारा किया गया। भारतीय भाषा उत्सव के इस कार्यक्रम में मातृभाषा में हस्ताक्षर कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के सदस्य शामिल रहे।

# राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशखा द्वारा प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह एक वार्षिक उत्सव है जो जीवन को बदलने और हमारे समुदायों को मजबूत करने में पुस्तकालयों, पुस्तकालयाध्यक्षों और पुस्तकालय कार्यकर्ताओं की बहुमूल्य भूमिका को उजागर करता है। 1968 से 14 से 20 नवंबर को पूरे भारत में राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। इस दिन पुस्तकालयों के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा द्वारा प्रत्येक वर्ष इस सप्ताह को बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस सप्ताह का आयोजन पुस्तकालय एवं सूचना विद्याशाखा द्वारा बड़ी धूमधाम से किया गया। इस वर्ष की थीम: “There's More to the Story” ('कहानी में और भी बहुत कुछ है') रही है।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह का शुभारंभ पोस्टर प्रतियोगिता से किया गया, इसमें विभिन्न विषयों पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें बीएलआईएस के १५ स्टूडेंट्स तथा एच एन इंटर कालेज के १० स्टूडेंट्स शामिल थे। पोस्टर प्रतियोगिता का चयन समिति के अध्यक्ष प्रो. मंजरी अग्रवाल व डा. राजेन्द्र कैड़ा थे, इसमें दो श्रेणियों जूनियर व सीनियर से तीन तीन विजिताओं का चयन किया गया। पुरस्कार वितरण पुस्तकालय सप्ताह के समापन समारोह (नेशनल सेमिनार) में किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. जयदीप शर्मा(इग्नू, नई दिल्ली) एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.पी.एस नेगी द्वारा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में १३४ प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के द्वितीय दिन ओपन डिसकशन फोरम का आयोजन किया गया, जिसमें बीएलआईएस के विद्यार्थियों के अलावा विभिन्न कालेजों के लगभग २८ शिक्षार्थी शामिल हुए, जिसमें असिसटेट प्रोफेसर प्रीति शर्मा द्वारा लाइब्रेरी ई रिसोर्सेज के बारे में चर्चा की गई। साथ ही फ्री ई लर्निंग पोर्टल जैसे कि दीक्षा, एनडीएल, हाथी ट्रस्ट डिजीटल लाइब्रेरी, प्रोजेक्ट गुटनबर्ग, इंटरनेट आर्काइव आदि विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई, साथ ही आईटी के राजेश आर्या ने भी विभिन्न विषयों पर चर्चा की जैसे कि चैट जीपीटी, लाइसेसिंग, डेटा सिक्योरिटी, एआई आदि। साथ ही उन्होंने बच्चों के सवालों के भी जवाब दिये।

राष्टीय पुस्तकालय सप्ताह के तीसरे दिन जीबीपंत यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी का भ्रमण किया गया। जिसमें पुस्ताकालय विज्ञान के १५ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।इसमें स्कूल ऑफ लाइब्रेरी साइंस के निदेशक प्रो. ए.के.नवीन, पुस्तकालय सप्ताह की संयोजक प्रीति शर्मा, राजेश आर्या, विभु कांडपाल, अनिल नैलवाल आदि मौजूद रहे। जीबीपंत विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डा. के.पी. सिंह, हेमा हिदायतुल्ला द्वारा लाइब्रेरी के विभिन्न सेक्सनों के बारे में विस्तार बताया गया।

पुस्तकालय सप्ताह के चौथे दिन का आरंभ ऑनलाइन क्विज द्वारा किया गया, कार्यक्रम में १०० विभिन्न विश्वविद्यालय के लोगों ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह के पांचवें व अंतिम दिन एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में इग्नू में लाइब्रेरी साइंस के डीन प्रो. जयदीप शर्मा मौजूद रहे। उन्होंने लाइब्रेरी पहले क्या थी वर्तमान में किस रूप में हैं और भविष्य में लाइब्रेरी किस तरह की होंगी इस विषय पर बात की। उनकी बातचीत का विषय था लाइब्रेरीज एंड लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस एजुकेशन इन द करेंट इनफार्मेशन सिनारियो था। इसमें उन्होंने लाइब्रेरी के वर्तमान रूप, उसके इतिहास व भविष्य पर बात रखी। साथ ही डिजीटल लाइब्रेरी तथा कैसे हम लाइब्रेरी को रिर्सच में इस्तेमाल कर सकते हैं। इस पर बात की। सेमिनार के अंत में प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट प्रदान किये गए साथ ही विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये गए। पुरस्कार वितरण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओ.पी,एस नेगी व मुख्य अतिथि प्रो. जयदीप शर्मा द्वारा किये गए।

# राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना हल्द्वानी इकाई के सात(०७) दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन दिनांक 2 जनवरी से ८ जनवरी 2023 को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,धौलाखेड़ा में किया गया। इस कार्यक्रम में स्वयं सेवियों द्वारा जन जागरुकता कार्यक्रमों के साथ रचनात्मक कार्य भी किये गये। सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य श्री कमलेश चंदोला, कार्यक्रम अधिकारी डॉ सिद्धार्थ कुमार पोखरियाल एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी डॉ गौरी नेगी की उपस्थिति में किया गया| शिविर के अंतिम दिन विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी जी की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि प्रो. ए. के. नवीन की उपस्थिति में सात दिवसीय शिविर का समापन किया गया।

**यूओयू का सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू**

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की हल्द्वानी इकाई का सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर शुरू हो गया है। सोमवार को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलाखेड़ा में शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत सदस्य कमलेश चंदोला, विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी डा. सिद्धार्थ पोखरियाल व सहायक कार्यक्रम अधिकारी डा. गौरी ने किया। उन्होंने एनएसएस और इसके बारे में जानकारी दी।

# यूओयू में लगा विधिक जागरूकता कैंप

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विधिक सहायता केंद्र द्वारा विधिक जागरूकता कैंप राजकीय इंटर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धौलाखेड़ा,हल्द्वानी में दिनांक 4 जनवरी, २०२३ को आयोजित किया गया I इस अवसर पर विधि विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर ऐ. के. नवीन, विधिक सहायता केन्द्र प्रभारी और विधि विद्या शाखा के समन्वयक डॉ. दीपांकुर जोशी ने शिविरार्थियों व अन्य समीपस्थ निवासरत लोगों को विधिक सहायता और विधि शिक्षा के अन्य आयामों की विस्तृत जानकारी प्रदान की | इस अवसर पर डॉ.सिद्धार्थ पोखरियाल, डॉ.गौरी, डॉ.मनीषा पंत, शोद्यार्थी रीतिका धीमान,दीपिका रेकवाल, विभू कांडपाल और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

# संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग की कार्यशाला

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी के मानविकी विद्याशाखा के संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग द्वारा स्नातकोत्तर कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के शिक्षार्थियों के लिए एक सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 11 सितम्बर 2023 से दिनांक 17 सितम्बर 2023 तक तथा स्नातक कार्यक्रम के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के शिक्षार्थियों के लिए एक सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 19 सितम्बर 2023 से दिनांक 25 सितम्बर 2023 तक किया गया| उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ओ०पी०एस० नेगी ने सभी को कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं| कार्यशाला का उद्घाटन मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रोफेसर रेनू प्रकाश एवं कुलसचिव प्रोफेसर पी०डी० पंत द्वारा किया गया| इस कार्यशाला में भारतीय शास्त्रीय संगीत के मूर्धन्य कलाकारों एवं शिक्षकों ने अपना व्याख्यान दिए| इसमें मुख्य रूप से आस्था-प्रदीप चोपड़ा-ऋषिकेश, डॉ० रवि जोशी-नैनीताल, डॉ० महेश पांडे-हल्द्वानी, डॉ अशोक कुमार-नैनीताल, डॉ० निर्मला जोशी-हल्द्वानी, श्री अलंकार महतोलिया-नैनीताल ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए| संगीत, नृत्य एवं कला प्रदर्शन विभाग के शिक्षकों श्री द्विजेश उपाध्याय, श्री अशोक चंद्र टम्टा, श्री प्रदीप कुमार, श्री जगमोहन परगांई तथा श्री प्रकाश चंद्र आर्य द्वारा पाठ्यक्रम के प्रयोगात्मक विषयों जैसे राग व ताल एवं उनमें निबद्ध रचनाओं का अभ्यास कराया गया|

सात दिवसीय कार्यशाला का समापन, कार्यशाला में प्रतिभाग कर रहे शिक्षार्थियों के द्वारा विभिन्न सांगीतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ| कार्यशाला के समापन सत्र का शुभारंभ मानविकी विद्याशाखा की निदेशक प्रोफेसर रेनू प्रकाश, प्रोफेसर गिरिजा पाण्डेय, कुलसचिव प्रोफेसर पी०डी० पंत तथा प्रोफेसर ए०के० नवीन के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया| शिक्षार्थियों ने अपनी कला का सराहनीय प्रदर्शन किया| प्रोफेसर रेनू प्रकाश एवं कुलसचिव प्रोफेसर पी०डी० पंत ने सभी शिक्षार्थियों के प्रदर्शन की सराहना कर उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनायें दी। कार्यशाला में शिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए| उत्तराखंड राज्य के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, हिमांचल प्रदेश, दिल्ली आदि राज्यों से स्नातकोत्तर(एम०ए०) कार्यक्रम तथा स्नातक(बी०ए०) कार्यक्रम में पंजीकृत शिक्षार्थियों ने उक्त कार्यशाला में प्रतिभाग किया|

# तुलसीदास जयन्ती का आयोजन

**तुलसीदास भारतीय जन की आत्मा एवं आस्था को रुपायित करने वाले भक्त - कवि हैं - प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी**

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं विभाग द्वारा महाकवि तुलसी के जन्मदिवस पर तुलसी दास जयंती समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के केन्द्रीय सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओम प्रकाश नेगी ने कहा कि तुलसी का वैशिष्ट्य रामकथा के सर्वग्रह्यता का आधार है। तुलसी दास द्वारा लोक भाषा का चुनाव उनके सहजता और प्रासंगिकता का आधार है। तुलसीदास की कविता का वैज्ञानिक महत्व है। उनके भीतर भारतीय ज्ञान परंपरा का सातत्य मौजूद है। तुलसी दास ने अपने पात्रों के साथ न्याय किया। तुलसीदास को समझने के कई पहलू हैं। आज उनकी प्रासंगिकता को समझने की जरूरत है। उनकी कविता में पर्यावरण, भौतिकी, रसायन इत्यादि ज्ञान के कई अनुशासनों का मेल है।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता हिंदी - कुमाऊनी की वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. दिवा भट्ट ने कहा कि तुलसी दास ने लोकभाषा में लोक के लिए लिखा। संस्कृत साहित्य के मर्मज्ञ होने के बावजूद लोक में लिखना तुलसी का चुनाव था। शास्त्र जन व्यवहार से दूर हो रहा था। इसलिए जनजीवन के लिए उदाहरणार्थ अवधी में तुलसी ने रचना की। उन्होंने भाषा ही नहीं लोक व्यवहार, लोक संस्कार भी चुना। तुलसी दास के यहां सब कुछ विराट है। स्वप्न भी और विषय भी। वाल्मीकि और तुलसी के राम में बहुत अंतर है। इस अंतर को समझ कर ही तुलसी के महत्व को समझा जा सकता है। स्वागत वक्तव्य और विषय-प्रवेश करते हुए हिंदी विभाग के समन्वयक डॉ. शशांक शुक्ल ने कहा कि तुलसीदास हिंदी के मध्यकाल के बड़े कवि हैं। बड़े कवि का विरोधाभास भी बड़ा होता है। तुलसीदास अपनी लोकोन्मुखता एवं जातीयता की संस्कृति के कारण महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि तुलसीदास कवि से अधिक भक्त थे। उन्हें उनके युग की सीमाओं के दायरे में समझना चाहिए। धन्यवाद ज्ञापन एवं समाहार वक्तव्य देते हुए हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने कहा कि तुलसी दास को बतौर कवि के तौर पर पढ़ा जाना चाहिए। तुलसी दास की कविता में शब्द और अर्थ का जैसा सौंदर्य देखने को मिलता है वह उनके काव्य कौशल का प्रमाण है। रामचरितमानस को प्रेम कविता के तौर पर भी पढ़ना चाहिए। जहां तुलसी ने राम और सीता के प्रेम का वर्णन किया है वह विश्व की श्रेष्ठ प्रेम कविता होने का सामर्थ्य रखती हैं।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की वित्त नियंत्रक आभा गर्खाल, निदेशक, अकादमिक प्रो पी.डी. पन्त, मानविकी विद्याशखा के प्रभारी निदेशक एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक, कार्मिक और छात्र उपस्थित रहे।


Hello Haldwani हैलो हल्द्वानी 91.2 FM

TOLL FREE
18001804025

/uoulive
/uoulive

UOU APP GET IT ON Google Play

Hello Haldwani 91.2 FM GET IT ON Google Play

# विशिष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित हुए प्रोफेसर आर० सी० मिश्र

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षक दिवस समारोह- 2023 का विशिष्ट शिक्षक सम्मान वाणिज्य और प्रबंध विषय के विशेषज्ञ प्रोफेसर रमेश चंद्र मिश्र को दिया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह नेगी ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि एक शिक्षक को आत्म निर्भर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के दिन हमें अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिए। विजिबल और इनविजिबल गुरुओं की विद्वत्ता से ही मनुष्य का विकास संभव है। मुक्त विश्वविद्यालय यह दोनों मौका उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में तकनीक भी हमारा गुरु हो सकता है जरूरत है कि हममें वह विवेक पैदा हो सके जिससे हम सीखने की प्रविधि को आसान बना सके। माननीय कुलपति जी ने विशिष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित करते हुए प्रोफेसर आर. सी. मिश्र को बधाई और शुभकामनाएं दी।

विशिष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानि प्रोफेसर. आर. सी. मिश्र ने मुख्य वक्तव्य देते हुए कहा कि हमारे संस्कार गुरु परंपरा से निर्मित हुए हैं, हम उसे ही लेकर आगे बढ़ते हैं। शिक्षक के लिए भाषा, प्रतिउत्पन्नमति, अपने विषय का ज्ञान और अपने वर्तमान का ज्ञान आवश्यक अवयव है। एक शिक्षक को अपने व्यक्तित्व का निर्माण सामाजिक मूल्यों के लिए प्रतिमान के रूप में विकसित करना चाहिए। एक शिक्षक का व्यक्तित्व विराट होना चाहिए। शिक्षक को सदैव अपने आप को बेहतर बनने का, बड़े बनने की कोशिश करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर पी. डी. पंत ने सभी उपस्थित जनों का स्वागत किया। सम्मानित शिक्षक का प्रशस्ति-पत्र का वाचन हिंदी विभाग के समन्वयक डॉ. शशांक शुक्ल ने करते हुए कार्यक्रम का विषय-प्रवेश किया। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के वरिष्ठ अध्यापक डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने किया। कार्यक्रम का संचालन कुमार मंगलम ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त विद्याशाखा के निदेशक, शिक्षक, वित्त नियंत्रक और कार्मिक सभागार में मौजूद रहे।

# राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का हुआ आयोजन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा से 1 से 7 सितम्बर, 2023 तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया गया। यह कार्यक्रम प्रति वर्ष आयोजित किया जाता है। इस सप्ताह को मनाने का मूल उद्देश्य जनमानस में पोषण सम्बंधी जागरुकता बढ़ाना है। गृह विज्ञान विभाग प्रत्येक वर्ष पोषण जागरुकता कैम्प, पोषण कार्यशाला, पोस्टर/चार्ट प्रयोगिताएं, क्विज, आहारीय परामर्श सत्र आदि का आयोजन कराता रहा है। इस वर्ष भी विभाग द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित कराए गए।

इस सप्ताह के दौरान विभाग के शिक्षकों द्वारा पोषण के विभिन्न आयामों पर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो चैनल “Hello Haldwani 91.2 FM” पर रेडियो कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया तथा निम्न विषयों पर रेडियो वार्ताएं प्रस्तुत की गई:

- राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाने के उद्देश्य
- किशोरावस्था में पोषण
- स्वस्थ शरीर के लिए पोषण की आवश्यकता
- आपातकालीन स्थिति में भोजन
- विषम परिस्थितियों में पोषण

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत विभाग द्वारा कई जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिनमें से २ सितम्बर, २०२३ को सागर किड्स केयर गार्डन स्कूल, लालडांठ, हल्द्वानी में भी विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। बच्चों को पोषण के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यालय में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कराई गई। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक और गृह विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने विद्यालय के बच्चों को पोषण के विभिन्न आयामों को समझाया। इस दौरान पोषण विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयीं, जिसके विजेता प्रतिभागियों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो० जितेंद्र पांडे द्वारा पुरस्कृत किया गया।

# प्लेसमेंट सेल रोजगार के नएमार्ग खोलता

विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल छात्रों को रोजगार और करियर के नए रास्ते तलाशने की सुविधा प्रदान करता है। प्लेसमेंट सेल छात्रों को काउंसलिंग के माध्यम से करियर योजना बनाने में भी मदद करता है, जिसमें वे अपनी रुचियों, योग्यताओं और क्षमताओं के संदर्भ में अपने बारे में जानकारी इकट्ठा कर सकें, ताकि वे अपना करियर अधिक प्रभावी ढंग से चुन सकें। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय 2016 में प्लेसमेंट सेल की स्थापना की थी, जिसका मुख्य उद्देश्य संस्थान के उच्च शिक्षा प्राप्त छात्रों को देश की प्रमुख कंपनियों में उत्तम ट्रैनिंग और रोजगार प्राप्त करने में सहायता करना है। प्लेसमेंट सेल ने इस क्षेत्र में अनेको प्रयास भी किए हैं, जिनमें समय-समय पर विभिन्न विषयों में कार्यशालाएं आयोजित करना और छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव्स आयोजित करना शामिल रहा है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय को दूरस्थ शिक्षा के कारण कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद, प्लेसमेंट सेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का उचित उपयोग करके छात्रों को जोड़ने के लिए कई पहलूओं में सफलता प्राप्त की है। इस तरह, प्लेसमेंट सेल के कार्यों के माध्यम से उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय छात्रों को उच्चतम शिक्षा के बाद सशक्त बनाने में कड़ी मेहनत कर रहा है और उन्हें देश और विदेश की शीर्ष कंपनियों में सशक्तिकरण का सामर्थ्य प्रदान कर रहा है। 2022 और 2023 में आयोजित विभिन्न प्लेसमेंट ड्राइव्स के मुख्य बिंदु निम्न है :

- बी.के. कैसल्स एंड होटल्स प्राइवेट लिमिटेड, जबलपुर (13 जून 2022): कुल चार उम्मीदवारों ने भाग लिया,
- अमृतारा होटल्स एंड रिसॉर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, रामनगर (10 जुलाई 2022): एक उम्मीदवार का चयन हुआ।
- इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस), कोटद्वार (25 जुलाई 2022): एक उम्मीदवार का चयन हुआ।
- रामादा विंडहैम, गांधीधाम, गुजरात (21 सितंबर 2022)
- अमर उजाला (13 अप्रैल 2023): आठ उम्मीदवारों ने लिखित परीक्षा दी, जिनमे से दो उम्मीदवारों का चयन हुआ
- आईएचएमएस, कोटद्वार (5 जून 2023): दो उम्मीदवारों को नौकरी की पेशकश हुई।

इसके अलावा प्लेसमेंट सेल और सीका ने संयुक्त रूप से 6 जून, 2023 को **"एम्प्लॉयबिलिटी स्किल्स इन जॉब सीकिंग लर्नर्स"** विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी किया गया, जिसमे 70 से भी अधिक छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता कैप्टन पी.के. सिंह थे, जिन्होंने सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने और साक्षात्कार की तैयारी की गंभीरता पर जोर दिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को उनके करियर प्रयासों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक जानकारियाँ प्रदान करना था। वर्तमान में, प्लेसमेंट सेल के नोडल ऑफिसर डॉ. अखिलेश सिंह है जो कि इस दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। इसके अलावा डॉ. प्रिया बोरा और श्री सुधांशु वर्मा सहायक नोडल ऑफिसर के रूप में कार्य कर रहे हैं।

# विश्वविद्यालय के सह प्राध्यापक हुए सम्मानित

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के प्रमुख व शिक्षा शास्त्र के सह प्राध्यापक डा. डिगर सिंह फर्स्वाण को MIET तथा अमर उजाला हल्द्वानी द्वारा प्रायोजित 'देवभूमि शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार 2023 (Devbhumi Education Excellence Award 2023)' से माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया गया। एसीआईसी देवभूमि फाउंडेशन की ओर से उत्तराखंड शिक्षा सत्र २०२२-२३ में शोध एवं नवाचार और अन्य अकादमिक कार्यों की उत्कृष्टता का मूल्यांकन कर सम्पूर्ण राज्य से १६ शिक्षकों और शोधार्थियों का इस पुरस्कार के लिए चयन किया गया| डा. डिगर सिंह फर्स्वाण विगत १८ वर्षों से उच्च शिक्षा, शिक्षक शिक्षा तथा विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहें हैं| डा. डिगर सिंह फर्स्वाण द्वारा अभी तक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में ४५ शोध पत्रों का तथा ०१ पुस्तक का प्रकाशन किया जा चुका है इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में ५० से अधिक शोध पेपरों का प्रस्तुतीकरण किया जा चुका है|

- पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा 2022-23 में उत्तीर्ण हुए अभ्यर्थियों के इन्डेक्सन प्रोग्राम का आयोजन दिनांक 13.02.2023 को विश्वविद्यालय सभागार में कराया गया।
- शैक्षिक सत्र 2022-23 के पीएच0डी0 कार्यक्रम में उत्तीर्ण हुए 36 शोधार्थियों का पीएच0डी0 पाठ्यकार्य पूर्ण कराया गया।
- दिनांक 28 नवम्बर 2023 से 01 दिसम्बर 2023 तक पीएच0डी0 पाठ्यकार्य परीक्षा का आयोजन कराया गया।
- पीएच0डी0 पाठ्यकार्य से सम्बन्धित शोधार्थियों की समस्याओं का व्हट्सअप ग्रुप के माध्यम से व टेलीफोन के माध्यम से निरन्तर निराकरण किया गया।
- दिनांक 04 अक्टूबर 2023 से 06 अक्टूबर 2023 तक साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर Drill bit Extreme का ऑनलाइन ट्रायल एक्सेस व डैमो सत्र में डॉ0 मंजरी अग्रवाल सहायक निदेशक (शोध) व श्रीमती करिश्मा शोध अधिकारी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- राज्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध एवं नवाचार के वातावरण का सृजन करने हेतु राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा विभागान्तर्गत मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना संचालित की गई है। इस योजना के सफल संचालन हेतु विश्वविद्यालय स्तर से दो सहायक प्राध्यापकों को नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।
- मुख्यमंत्री शोध प्रोत्साहन योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय के तीन प्राध्यापकों के आवेदनों को निदेशक शोध एवं कुलसचिव द्वारा अग्रसारित करने के उपरान्त समर्थ पोर्टल के माध्यम से अपलोड किया गया।
- दिनांक 27.12.2023 को अष्टम दीक्षान्त समारोह में पॉच शोधार्थिंयों को शोध उपाधि प्रदान की गई।

## “एक्सीलेंस इन रिसर्च ऑफ़ द ईयर-2023” अवार्ड से सम्मानित हुई डॉ० मीनाक्षी राणा

यूकॉस्ट, यूसर्क, ओनजीसी, डीआईटी विवि देहरादून द्वारा आयोजित “देहरादून इंटरनेशनल साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी फेस्टिवल-2023” के तीन दिवसीय सम्मेलन में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी राणा को प्रतिष्ठित “एक्सीलेंस इन रिसर्च ऑफ़ द ईयर-2023” अवार्ड से सम्मानित किया गया । डॉ. राणा को यह सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव आनंदवर्धन, डीआईटी विवि के कुलपति एन रविशंकर, यूकॉस्ट के महानिदेशक डॉ दुर्गेश पंत के द्वारा प्रदान किया गया । डॉ. मीनाक्षी राणा को उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) तथा उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (यूसर्क), सूचना और विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड सरकार, द्वारा परियोजना अनुसंधान अनुदान भी प्राप्त हुआ है। इससे पूर्व भी डॉ० मीनाक्षी को विज्ञान में शोध व नवाचार के लिए कई सम्मान (अवार्ड) प्राप्त हो चुके हैं।

**उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी राणा को सम्मानित करते कार्यक्रम के मुख्य अतिथि**

# 'देवभूमि उधमिता योजना में यूओयू के शिक्षक डॉ० मनोज पाण्डेय ने किया प्रतिभाग

› उत्तराखंड सरकार ने राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए महत्वाकांक्षी "देवभूमि उधमिता योजना" की शुरुआत की है। इस योजना के तहत राज्य के डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे छात्रों को उद्यमिता के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा, राज्य के विभिन्न स्थानों पर नोडल और मेंटर्स बनाए जाएंगे। ये नोडल और मेंटर्स युवाओं को उद्यमिता के क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड को सरकार द्वारा माध्यम बनाया गया है। इस योजना को साकार रूप देने हेतु राज्य सरकार द्वारा पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम कार्यक्रम ५ दिसम्बर से १० दिसम्बर २०२३ तक भारतीय उधमिता विकास संस्थान अहमदाबाद में आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से पर्यटन विभाग के डॉ मनोज कुमार पाण्डे ने प्रतिभाग लिया। डॉ. पाण्डे ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उद्यमिता, तकनीक माडल, सेल्फ रेटिंग, रिस्क मैनेजमेंट, इनोवेशन, लाइब्रेरी का प्रयोग, रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया, बूट कैम्पिंग, सीड फंडिंग, कोर्स संचालन इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा, देवभूमि उधमिता योजना के अंतर्गत कौशल संवर्धन, और स्वरोजगार को बढ़ावा देने हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

योजना के अंतर्गत हल्द्वानी व आस पास के क्षेत्रो में अवेयरनेस कार्यक्रम, बूट कैम्प, ट्रेनिंग, आदि कार्यक्रमों का आयोजन आने वाले महीनो में किया जायेगा। जिसमे कोई भी स्वरोजगार की इच्छा रखने वाले अध्ययनरत छात्र/छात्राएँ और स्थानीय युवा प्रतिभाग कर सकेंगे। अलग अलग क्षेत्रो में निर्धारित मेंटर्स युवाओ को यहाँ की भोगोलिक परिस्तिथियों और चुनौतियों के विषय में मार्गदर्शन करेंगे। चुने हुए युवाओ को सरकार द्वारा उधम प्रारंभ करने हेतु फंडिंग उपलब्ध कराये जाने का भी प्राविधान है।

उधम के विभिन्न क्षेत्र जैसे पर्यटन, आयुर्वेद, होम स्टे, फ़ूड प्रोसेसिंग, हर्बल मेडिसिन, योगा इत्यादि रोजगार के उत्तम संभावित साधन होने के साथ-साथ रोजगार उपलब्ध कराने और पलायन की रोकथाम के लिए भी कारगर हैं।

Group Photo with Director General EDII, Ahmedabad

Library Interaction

Yoga Classes

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

अथयोगानुशासनम्

में सुनें
सिंह मेवाड़ी को
तोक-गाजा,हैड़ाखान
91.2 FM

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

जागरण www.jagran.com

## विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर यूओयू में दिव्यांग गौरव सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

# अर्जुन अवार्डी मनोज, पैरा ओलिंपिक विजेता नीरज सम्मानित

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व दिव्यांग दिवस को लेकर मंगलवार को दिव्यांग गौरव सम्मान समारोह व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट, निवर्तमान मेयर डा. जोगेंद्र पाल सिंह रौतेला व कुलपति प्रो. ओम प्रकाश सिंह नेगी ने किया। उन्होंने अर्जुन अवार्ड विजेता रुद्रपुर निवासी मनोज सरकार, राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित प्रदीप नेगी, बैडमिंटन की राष्ट्रीय पैरा ओलिंपिक विजेता नीरज गोयल, दृष्टिबाधित लोककवि नरेंद्र रयाल, दिनेश पाल सिंह ज्याड़ा को शाल ओढ़ाकर व प्रतीक चिह्न देकर ...

मुक्त विवि में दिव्यांग गौरव सम्मान समारोह में अर्जुन अवार्डी मनोज सरकार को सम्मानित करते विधायक मोहन सिंह बिष्ट, मेयर जोगेंद्र रौतेला व वीसी ओपी सिंह नेगी • जागरण

विधायक बिष्ट ने कहा कि दिव्यांगजन ...

... अहम भूमिका का निर्माण कर रहे हैं। निवर्तमान मेयर डा. रौतेला ने दिव्यांगों के लिए प्रारंभिक स्तर पर ही दिव्यांगता का पता लग जाने पर उनकी दिव्यांगता के निराकरण के लिए जोर देने की बात कही। कुलपति प्रो. नेगी ने कहा कि विवि हर वर्ग को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। संचालन विशेष शिक्षा विभाग के समन्वयक डा. सिद्धार्थ पोखरियाल ने किया। इस मौके पर कुलसचिव प्रो. पीडी पंत, डा. डिगर सिंह फर्स्वाण, आभा गर्खाल, निदेशक प्रो. रेनू प्रकाश, डा. ममता कुमारी, भावना धोनी, ...

---

व अगुवाई म नगर आयुक्त का घेराव व्यापारी प्रतिनिधि मौजूद रहे। अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

# क्षमता निर्माण पर कार्यशाला

... ति ... क्त विश्व. ... त्रण और ... निर्माण ... दिवसीय ... सेंटर फॉर ... एसेसमेंट ...

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जा रही है। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी ओपन यूनिवर्सिटी के प्रो. सीआर के मूर्ति ने बताया कि ओपन एवं डिस्टेंस लर्निंग आज समय की आवश्यकता है। पूरे देश में एजुकेशन गैप को भरने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। नई शिक्षा नीति में भी क्षमता निर्माण को विशेष महत्व दिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी शिक्षा संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा सर्व सुलभ शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय आईसीटी के माध्यम से यह सब संभव कर पा रहा है। कार्यक्रम का संचालन डा.गगन सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम प्रो. गिरजा पांडे, डा. सुमित प्रसाद, डा. एमएम जोशी, डा. आशुतोष कुमार भट्ट, डा. शालिनी चौधरी, अनुराग भट्ट सहित विश्व. विद्यालय के समस्त अध्यापक मौजूद रहे।

---

# यूओयू में नई शिक्षा नीति को मंजूरी

## शुल्क में होगी वृद्धि, मुक्त विवि **विद्या परिषद की बैठक** में एनईपी के ड्राफ्ट पर मुहर

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में ग्रीष्मकालीन सत्र (जुलाई) से नई शिक्षा नीति (एनईपी) लागू होगी। स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को नई व्यवस्था के तहत प्रवेश मिलेंगे। साथ ही बीए, बीएससी और बीकाम ... शुक्रवार ... एनईपी ... ड्राफ्ट व ... परिषद ... वि... को कु... अध्यक्ष... हुई, जि... तैयार ... गया। ...

... विषयों की मान्यता से जुड़े मामले में नितांत अस्थाई सहायक प्राध्यापक रखे जाने का अनुमोदन भी विद्या परिषद ने किया। बैठक में डा. बाबा साहब भीमराव आंबेडकर मुक्त विवि (बीएओयू) अहमदाबाद के कुलपति ...

... अरविंद भट्ट, प्रबंधन एवं वाणिज्य के डा. गगन सिंह, हेल्थ साइंस के डा. आशुतोष भट्ट व पर्यटन एवं होटल प्रबंधन के डा. एमएम जोशी प्रमुख बनाए गए हैं। वहीं प्रो. पीडी पंत को अर्थ एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा ...

---

# तकनीक की सहायता से शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित हुए नए आयाम

## यूओयू की संगोष्ठी में मुक्त एवं दूरस्थ **शिक्षा में मीडिया** की भूमिका पर मंथन

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यअतिथि पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि शिक्षा के प्रति लोगों में अभिरुचि जागृत हो चुकी है। नवाचार और तकनीक की सहायता से शिक्षा क्षेत्र में नए आयाम शामिल हुए हैं। मीडिया माध्यमों के जरिये मुक्त विश्वविद्यालय प्रभावी सामग्री विद्यार्थियों के साथ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा सकता है।

गुरुवार को मोथरोवाला स्थित यूसीएफ सदन के सभागार में उत्तराखंड मुक्त विवि की ओर से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में मीडिया की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व राज्यपाल ने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज उच्च शिक्षा मल्टीडिसिप्लेनरी के रूप में सामने आ रही है, जो देश के चौमुखी विकास के लिए लाभप्रद है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के

उत्तराखंड मुक्त विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप जलाकर शुभारंभ करते पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डा. सुनील आंबेकर, यूओयू के कुलपति ओपीएस नेगी • जागरण

कुलपति प्रो.ओपीएस नेगी ने कहा कि विवि की पहुंच दूरस्थ क्षेत्र के विद्यार्थियों तक हो गई है। हम सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी डिप्लोमा पाठ्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवि ज्ञान गंगा नाम से चैनल बनाने जा रहा है। भविष्य में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि भारतीय प्रेस परिषद, नई दिल्ली के सदस्य एवं पूर्व निदेशक बीएचयू प्रो. बीआर गुप्ता ने मीडिया की बारीकियों से अवगत कराया। कहा कि मीडिया का रोल हर क्षेत्र में अहम रहा है। मालवीय पत्रकारिता संस्थान के प्रो.ओपी सिंह ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में मीडिया के जरिये सामग्री पहुंचाने के लिए मीडिया टूल्स के साथ ही तकनीक भी जरूरी है। दून विवि के प्रो. राजेश कुमार ने मूक कोर्स तैयार करने की बात कही। साथ ही मुक्त विवि में संचालित वैल्यू एडेड कोर्सों का लाभ अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए समन्वय स्थापित करने को कहा। कार्यक्रम का संचालन डा. राकेश रयाल ने किया। संगोष्ठी में आरएसएस के प्रांत प्रचारक डा. शैलेंद्र, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार, प्रो. एके नवीन, डा. दिनेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

देहरादून की और भी खबरें पढ़ें
www.jagran.com

## सामाजिक परिवर्तन का माध्यम है शिक्षा

- आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख ने कही यह बात
- कहा, पहाड़ में स्थित विवि भी दुनिया के टाप विवि बन सकते हैं

जागरण संवाददाता, देहरादून : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख व शिक्षाविद डा. सुनील आंबेकर ने कहा कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का मुख्य माध्यम है। समाज में फैली तमाम तरह की भ्रांतियों व बुराइयों पर केवल शिक्षा से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1998 में तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने लंबे समय से चली आ रही लग्जरी शिक्षा प्रणाली से बाहर निकालने के लिए स्कूल चलें हम... अभियान शुरू किया, जिससे देश के दूरदराज के पिछड़े, वंचित वर्ग के अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना शुरू किया। यह बात उन्होंने बुधवार को मोथरोवाला स्थित उत्तराखंड मुक्त विवि की राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर मुख्य वक्ता कही।

उन्होंने कहा कि शिक्षा की विकास यात्रा में समाज के हर वर्ग की भागीदारी होनी चाहिए। कैसे सभी लोगों को मौका मिले, इस अवधारणा को देश के सभी विवि को मंथन करना चाहिए। उत्तराखंड में पलायन थामने में उत्तराखंड मुक्त विवि की भूमिका अहम हो सकती है। समाज के ऐसे व्यक्ति जो एक ही कौशल में दक्ष है, उस व्यक्ति को विवि से जोड़ना चाहिए और उसकी दक्षता का उपयोग दूरस्थ शिक्षा में करना चाहिए। इसके लिए विविको फंड की नहीं नवाचार, सक्रियता, परंपरा व संसाधनों का बेहतर उपयोग करने की आवश्यकता है। कहा कि अपने ज्ञान और कौशल से पहाड़ पर स्थित विवि भी दुनिया के टाप विवि में अपना स्थान बना सकता है।

**Uttarakhand Open University**
(Established by the Govt. of Uttarakhand vide Act No. 23 of 2005)
उत्तराखण्ड सरकार का एक मात्र मुक्त विश्वविद्यालय
University Road, Behind Transport Nagar
(Teen Pani Bypass), Haldwani -263139,Uttarakhand
Phone: 05946-286000, Fax : 05946-264232